The Himachal times. 1March, 2022

FRI organizes experience sharing workshop on 'Forest Genetic Resource Documentation, Characterization and Conservation'



Garhwal Post. 1March,2022

FRI holds workshop on 'Forest Genetic Resource Documentation'

Haryana and Punjab on Tonest Genetic Resource Documentation,



approaches. The major aim of conducting the workshop was to share the knowledge base of FORs for developing short herm and long-term conservation plans on forestry species. The new technologies were MoEFACC. Arun Singh Rosset focused to devolve no sensities.

Government of India, MoEF&CC; Arun Singh Rawat Director General, ICFRE: Subhash Chandra, Chief Executive Officer, National Authority — CAMPA, MoEF&CC; and Dr HS Ginsal, National Protect Coordinator-

The Hawk. 1March, 2022

Neelkanth temple after 4 pm. -PTI

FRI Dehradun Organises Experience Sharing Workshop

Forest Research Institute Dehradun organised an experience sharing work-shop for the state forest department of Uttarakhand, Uttar Pradesh, Haryana and Punjab on 'Forest Genetic Resource Documentation, Characterization and Conservation'. A total of 50 delegates/officers representing state forest departments of Uttarakhand, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh and Scien-Uttar Pradesh and Scien-tists of FRI participated in the workshop. FRI ex-ecuted a PILOT project on Forest Genetic Resource Characterization and Conservation of Uttarakhand sponsored by the National-CAMPA au-thority of Ministry of Environment Forests and Climate Change. The sa-lient outcomes of the project were discussed with officials of the Uttarakhand Forest Department. In the workshop, the Scientists of FRI shared information on the assessment of forest genetic resources of Uttarakhand through identification, documentation in the form of digital platform, eco-distribu-



tion mapping, genetic diversity and bio-chemical characterization, disease survey, development of propagation techniques and finally in situ and exsitu germplasm conservation approaches. The major aim for conducting the workshop was to share the knowledge base of FGRs for developing short term and long-term conservation plans on forestry species. The new technologies were discussed to develop genetically differentiated germplasm in

native range of Himalayan ecosystem and also assessed the gaps that have been identified for the development and transfer of technology. On this occasion, Sh. Chandra Prakash Goyal Director General of Forests and Special Secretary to Govt. of India, MoEF&CC, Shri Arun Singh Rawat Director General ICFRE, Sh. Subhash Chandra, Chie Executive Officer, National Authority -CAMPA, MoEF&CC and Dr. H.S. Ginwal, National Project

Coordinator-FGR addressed the delegates. Scientists from FRI present wereDr. N.K. Upreti, GCR FRI, Dr. Ajay Thakur, Dr. Manisha Thapliyal, Dr. Amu Pandey, Dr. V.K. Varshney, Dr. Dinesh Kumar, Dr. Ranjana, Dr. Ramakant, and Dr. P.S. Rawat were present. Rapporteurs Dr. M.S. Bhandari and Shri R. K. Meena along with other scientists, research scholars and students were also present in the seminar.

Dainik Jagran. 1March, 2022

वार राज्यों के अधिकारियों ने सीखे वन संरक्षण के गुर

जागरण संवाददाता, देहरादूनः वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के वन अधिकारियों ने वन संरक्षण के गुर सीखे। इसके लिए सोमवार को संस्थान में वन आनुवांशिक संसाधन प्रलेखन, विशेषता और संरक्षण विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 70 वन अधिकारियों ने एफआरआइ के विज्ञानियों के साथ वनों के संरक्षण परमंथन किया।

कार्यशाला का आयोजन एफआरआइ ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय कैंपा प्राधिकरण के साथ मिलकर किया। इस दौरान एफआरआइ के विज्ञानियों ने दस्तावेजीकरण, पर्यावरण-वितरण मानचित्रण,

विविधता. रासायनिक लक्षण की पहचान, प्रसार तकनीकों के विकास के माध्यम से उत्तराखंड के वन आनुवांशिक संसाधनों के आकलन पर जानकारी साझा की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वानिकी प्रजातियों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं को विकसित करने के लिए जान साझा करना था। कार्यशाला में हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र में जर्मप्लाज्म विकसित करने के लिए नई तकनीकों पर चर्चा की गई। कार्यशाला में महानिदेशक वन एवं केंद्र सरकार के विशेष सचिव चंद्र प्रकाश गोयल, आइसीएफआरई के निदेशक अरुण सिंह, राष्ट्रीय कैपा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष चंद्रा मौजूद रहे।

Shah Times. 1 March, 2022

एफआरआई में कार्यशाला का आयोजन

देहरादुन। वन अनुसंधान संस्थान(एफआरआई) देहरादुन ने वन आनुवींशक संसाधन प्रलेखन, विशेषता और संरक्षण पर उत्तराखंड. उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के राज्य वन विभाग के लिए एक अन्धव साझा कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के राज्य वन विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 70 प्रति. निधियों / अधिकारियों और एफआरआई के वैज्ञानिकों ने भाग

एफआरआई ने पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय-केंग्या प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित वन आनुवरिशक संसाधन विशेषता और उत्तराखंड के संरक्षण पर एक पायलट परियोजना को क्रियान्वित किया। परियोजना के मरुव परिणामों पर उत्तराखंड वन विभाग के अधिकारियों के माध चर्चा



उत्तराखण्ड, हरियाणा पंजाब और उत्तर प्रदेश के 70 प्रतिनिधि हुए शामिल

की गई। कार्यशाला में एफ आरआई के वैज्ञानिकों ने पहचान, डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में दस्तावेजीकरण, पर्यावरण-वितरण मानचित्रण, आनुवरिशक विविधता और जैव-रासायनिक लक्षण वर्णन, रोग सर्वेक्षण, प्रसार तकनीकों के विकास

के माध्यम से उत्तराखंड के वन आनुवाँशिक संसाधनों के आकलन पर जानकारी साझा की। कार्यशाला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य वानिकी प्रवातियों पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं एफ जीआर के ज्ञान आधार को साझा करना था। हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की मूल श्रेणी में आनुवंशिक रूप से विभेदित जर्मप्रनात्म विकसित करने के लिए नई तकनीकों पर चर्चा की गई और उन अंतरालों का भी

प्रौद्योगिकी के विकास और हस्तांतरण के लिए पहचाना गया है। इस अवसर पर चंद्र प्रकाश गोयल महानिदेशक वन और सरकार के विशेष सचिव,MoEFCC, अरुण सिंह रावत महानिदेशक आईसीएफआरई सुभाष चंद्रा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय प्राधिकरण-कैम्पा, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और डॉ. एच.एस. जिनवाल, राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक- एफ जीआर ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उपस्थित एफआरआई के वैज्ञानिक डॉ. एन.के. उप्रेती, जीसीआर एफआरआई, डॉ अजय ठाक्र, डॉ मनीषा धपलियाल, डॉ अनुप चंद्र, डॉ को विकसित करने के लिए अमित पांडे, डॉ वी.के. वार्ण्य, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रंजना, डॉ. रमाक. ांत, और डॉ. पी.एस. रावत मीजूद थे। प्रतिवेदक डॉ. एम.एस. भंडारी और आर के मीणा सहित अन्य वैज्ञानिक, शोधार्थी और छात्र भी संगोध्टी में उपस्थित थे।

बजर्ग को टक्कर

- بدرس مناسند

Created with Mi Notes

Amar Ujala. 1March, 2022



वन आनुवंशिक संसाधन प्रलेखन,विशेषता और संरक्षण पर एफआरआई के सभागार में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग करते विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि। अगर उनाला

चार राज्यों के वन अधिकारियों ने साझा किए अपने अनुभव

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादुन। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की ओर से 'वन आनुवंशिक संसाधन प्रलेखन, विशेषता और संरक्षण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए।

प्रसार तकनीकों के विकास के माध्यम से उत्तराखंड के वन आनुवंशिक संसाधनों के

आकलन पर जानकारी साझा की। कार्यशाला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य वानिकी प्रजातियों पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं को विकसित करने के लिए एफजीआर के ज्ञान आधार को साझा करना था। कार्यशाला में किया गया। कार्यशाला में उत्तराखंड समेत वन और सरकार के विशेष सचिव चंद्र उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के वन प्रकाश गोयल, आईसीएफआरई के निदेशक अरुण सिंह रावत, राष्ट्रीय प्राधिकरण कैंपा, कार्यशाला में एफआरआई के वैज्ञानिकों पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के मुख्य ने पहचान, डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्यकारी अधिकारी सुभाष चंद्रा, दस्तावेजीकरण, आनुवंशिक विविधता और एफजीआर के राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक जैव-रासायनिक लक्षण वर्णन, रोग सर्वेक्षण, डॉ. एचएस जिनवाल, एफआरआई के वैज्ञानिक डॉ. एनके उप्रेती, डॉ. अजय ठाकुर, डॉ. मनीषा थपलियाल मौजूद रहे।